भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3229
08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

†3229. श्री मनोज कुमारः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2023 में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत से इसके अंतर्गत कितने जनजातीय जिलों को शामिल किया गया है;

(ख) क्या कैमूर और रोहतास जैसे जिले, जो सिकल सेल मामलों की उच्च व्याप्तता के लिए जाने जाते हैं, को निदान, उपचार और आनुवांशिक परामर्श के लिए पर्याप्त सहायता प्राप्त हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस मिशन के अंतर्गत दूरवर्ती/जनजातीय क्षेत्रों में मोबाइल स्वास्थ्य एकक स्थापित किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): भारत सरकार द्वारा दिनांक 1 जुलाई, 2023 को राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन (एनएससीएईएम) का शुभारंभ किया गया है। इस मिशन का उद्देश्य सभी सिकल सेल रोगियों को किफ़ायती, सुलभ और गुणवत्तापरक परिचर्या प्रदान करना, जागरूकता सृजन के माध्यम से सिकल सेल रोग की व्याप्तता को कम करना, प्रभावित 17 जनजातीय राज्यों में वर्ष 2025-26 तक 0-40 वर्ष की आयु के 7 करोड़ लोगों की लक्षित जांच करना और केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के सहयोगात्मक प्रयासों के जरिए परामर्श देना है। दिनांक 28.07.2025 तक कुल 365 जिलों में कुल 6,04,50,683 जाँचें की गई हैं।

सिकल सेल एनीमिया की जांच और प्रबंधन के साथ-साथ जागरूकता सृजन की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की होती है। बिहार सरकार द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार, कैमूर और रोहतास जैसे जिले राष्ट्रीय सिकल सेल रोग उन्मूलन मिशन के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के अंतर्गत, सिकल सेल एनीमिया की जांच के लिए अब तक 16 राज्यों के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) क्षेत्रों में 694 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) कार्यशील हैं।

*****